पाठ 1. हिम्मत करने वालों की

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** गोताखोर **(ख)** मोती **(ग)** दुगुना **(घ)** सागर

प्रश्न 3. **(क)** छिपकली, मकड़ी **(ख)** स्टीमर, जहाज़

प्रश्न 4. **(क)** चींटी दाना लेकर दीवारों पर चढ़ती है।

(ख) मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।

(ग) चींटी को चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है।

(घ) चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती।

प्रश्न 5. **(क)** हिम्मत करने वाले लोग घबराते नहीं हैं। लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मुश्किल से मुश्किल चुनौतियों का सामना करते हैं। मन में विश्वास लिए बार-बार प्रयत्न करते हैं। वे हारते नहीं जीत जाते हैं और अंत में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर ही लेते हैं।

(ख) गिरने से और बार-बार प्रयत्न करने के डर से किसी का भी मनोबल टूट सकता है। लेकिन चींटी का मनोबल नहीं टूटता। क्योंकि उसके मन में विश्वास है कि वह जरूर सफल होगी। इसी विश्वास को लेकर चींटी बार-बार प्रयत्न करती है और सफल हो जाती है।

(ग) इस कविता में 'गोताखोर' चुनौतियों का सामना करने वाले को, बार-बार प्रयत्न करने वाले को कहा गया है। 'समुद्र' लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली मुश्किलों और चुनौतियों को कहा गया है।

(घ) जब तक हम सफल नहीं होते तब तक हमें आराम और नींद का त्याग कर देना चाहिए।

(ङ) मेहनत ही सफलता और प्रसिद्धि का मूलमंत्र है। बिना प्रयास और परिश्रम के कभी कुछ प्राप्त नहीं होता इसलिए जब व्यक्ति अपने आत्मबल एवं मेहनत से कुछ करता है तभी उसे सफलता मिलती है और उसकी जय-जयकार होती है।

प्रश्न 6. **(क)** विश्वास **(ख)** कोशिश **(ग)** सिंधु **(घ)** उत्साह

प्रश्न 7. **(क)** अविश्वास **(ख)** हतोत्साह **(ग)** असफलता **(घ)** अस्वीकार

प्रश्न 8. विद्यार्थी स्वयं करें।

प्रश्न 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 2. नमक की मिठास

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) शानदार **(ख)** भोज के आयोजन से **(ग)** गृहपति और गृहिणी **(घ)** राजा से

प्रश्न 3. (क) **मीठी वस्तुएँ–** रसगुल्ला, शरबत, **तीखी वस्तुएँ–** लाल मिर्च, काली मिर्च

(ख) गेहूँ, चना

प्रश्न 4. (क) राजकुमारी बहादुर थी।

(ख) अपने पति के बारे में जानना चाहा।

(ग) पति ने बताया कि वह भिखारी नहीं है। शहर में नया है और काम ढूँढ़ रहा है।

(घ) जब वह भोजन के लिए भिक्षा माँग रहा था।

(ङ) राजा × रंक; नया × पुराना

प्रश्न 5. (क) राजा ने पूछा, "मेरी अपनी बेटियाँ मुझे कितना प्यार करती हैं?"

(ख) तीसरी बेटी ने कहा जितना आप और मैं नमक से प्यार करते हैं।

(ग) सबसे छोटी बेटी ने झोंपड़ी से अपने जीवन की शुरुआत की। उसने अपने आभूषण बेचकर उन पैसों से किराए की ज़मीन पर खेती की। धीरे-धीरे अपनी ज़मीन ले ली और पक्का मकान भी बना लिया। अत्यधिक परिश्रम और साहस से उन्होंने महल खड़ा कर लिया और राजाओं की भाँति रहने लगे।

(घ) छोटी बेटी ने पिता को नमक का महत्व समझाने के उद्देश्य से निमंत्रित किया था।

(ङ) बिना नमक का बेस्वाद भोजन खाते ही राजा गुस्से से भर गया।

प्रश्न 6. (क) प्रसन्नता **(ख)** नमक **(ग)** क्रोध **(घ)** भोज **(ङ)** मूर्खता **(च)** भीखू

प्रश्न 7. (क) असीम **(ख)** अनंत **(ग)** महत्वाकांक्षी **(घ)** अतिथि

प्रश्न 8. (क) विशिष्ट **(ख)** महँगा **(ग)** अंत

प्रश्न 9. एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. परीक्षा

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) गाड़ी पर **(ख)** बहुत ज़्यादा **(ग)** पहिए को **(घ)** किसान ने **(ङ)** नाले के

प्रश्न 3. (क) बैलगाड़ी में **(ख)** गहरे **(ग)** पूजा-पाठ कराने का

प्रश्न 4. (क) पथिकों को नाले से चलकर आना-जाना पड़ता था।

(ख) यदि वह गाड़ी अनाज से न भरी होती तो गाड़ी ऊपर चढ़ जाती और सुजान सिंह जानकीनाथ-सा दीवान नहीं ढूँढ़ पाता।

(ग) एक तो नाले में कीचड़ था, दूसरा नाले की चढ़ाई अधिक थी। इसलिए गाड़ी ऊपर नहीं चढ़ पा रही थी।

(घ) किसान बार-बार ज़ोर लगाता लेकिन गाड़ी थोड़ी-सी ऊपर चढ़कर वापिस नीचे आ जाती, इसलिए किसान झुँझलाता।

(ङ) झुँझलाहट।

प्रश्न 5. (क) दीवान सुजान सिंह काफ़ी बूढ़े हो गए थे। उनका शरीर अब शिथिल हो रहा है ऐसे में कोई भूल-चूक हो तो बुढ़ापे में दाग लग जाएगा इसलिए वे पदमुक्त होना चाहते थे।

(ख) जो सज्जन अपने-आपको देवगढ़ की रियासत के दीवान के पद से योग्य समझते हों। वे वर्तमान दीवान सुजान सिंह की सेवा में उपस्थित हों। एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन, आचार-विचारों को परखा जाएगा। जो उम्मीदवार इस परीक्षा में खरा उतरेगा वह ही इस पद के योग्य होगा।

(ग) हर व्यक्ति अपने तरीके से अपने आपको सर्वश्रेष्ठ दिखाने लगा। मिस्टर 'अ' को नौ बजे उठने की आदत थी पर अब वह बगीचे में टहलते हुए उषा-दर्शन करने लगा। मिस्टर 'ब' को हुक्का पीने की लत थी। वह किवाड़ बंद करके सिगार पीने लगा। मिस्टर 'स' ने उनके घर के नौकरों की नाक में दम कर रखा था। आजकल वे 'आप' और 'जनाब' के बगैर नौकरों से बातचीत नहीं करते। मिस्टर 'ल' को किताबों से घृणा थी, आजकल वे ग्रंथ पढ़ने में लगे रहते हैं। हर कोई पुजारी और सदाचार का देवता बना नज़र आता है।

(घ) सुजान सिंह ने जानबूझकर गाड़ी नाले में इसलिए फँसाई क्योंकि वह एक ऐसे योग्य दीवान की तलाश में था जिसमें आत्मबल, साहस एवं उदारता जैसे गुण भरपूर हों।

(ङ) जब किसान ने कहा कि नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।

(च) नवयुवक ने किसान से कहा, "अब मुझे कुछ इनाम देना चाहते हो?" किसान ने इसका उत्तर देते हुए कहा, "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।"

(छ) ऐसा व्यक्ति जिसमें आत्मबल, साहस एवं उदारता जैसे गुण भरपूर हों, ऐसा व्यक्ति सबका भला चाहेगा।

प्रश्न 6. (क) परायापन **(ख)** दुर्जनता **(ग)** उदासी **(घ)** शांति

(ङ) समानता (च) गोलाई (छ) सुंदरता (ज) चंचलता

प्रश्न 7. (क) अयोग्य (ख) अनुपस्थित (ग) दुराचार (घ) कृपण

प्रश्न 8. (क) मनुष्य (ख) उम्मीदवार (ग) आड़ (घ) दृष्टि

प्रश्न 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

प्रश्न 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 4. एक बूँद

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) देवता को **(ख)** नष्ट हो जाना **(ग)** कमल के फूल पर गिरना
(घ) धूल में मिलना

प्रश्न 3. (क) अंक **(ख)** अंगूर **(ग)** अंधकार **(घ)** अंगरक्षक

प्रश्न 4. (क) यहाँ कवि उस काल या समय की बात कर रहा है जब बूँद बादल से निकली थी।

(ख) बूँद समुद्र की ओर प्रसन्न मन से इसलिए नहीं आई, क्योंकि समुद्र में मिलकर उसका अस्तित्व समाप्त होने वाला था।

(ग) सीप का मुँह खुला था।

(घ) सीप के मुँह में जाकर बूँद ने मोती का रूप ले लिया।

(ङ) सागर, जलधि

प्रश्न 5. (क) इस कविता में बूँद का वर्णन किया गया है।

(ख) बादलों की गोद से निकलकर बूँद सोच रही है कि मैं बचूँगी या धूल में मिलूँगी या किसी अँगारे पर गिरकर जलूँगी या चूँ पड़ूँगी कमल के फूल में।

(ग) एक बूँद बादलों से निकली। धरती तक पहुँचने तक उसके मन में कई विचार उमड़ रहे थे कि उसका भविष्य क्या होगा। तेज़ हवा के झोंके से वह समुद्र की ओर मुड़ गई। उसे लगा वह समुद्र में मिल जाएगी पर वह एक सीप के अंदर जा गिरी और मोती बन गई।

(घ) एक बूँद बादलों की गोद से निकली जहाँ वह अब तक सुरक्षित थी पृथ्वी पर आने तक अपने अस्तित्व के लिए आप से चितन-मनन कर रही है। बूँद सोच रही है मैंने घर क्यों छोड़ा। हे ईश्वर मेरे भाग्य में क्या लिखा है। मैं बचूँगी या धूल में मिल जाऊँगी। या मैं किसी अँगारे पर गिरकर जल जाऊँगी। ऐसा भी हो सकता है कि मैं किसी कमल के फूल पर गिर जाऊँ।

(ङ) मनुष्य को अपने घर से बाहर की दुनिया में पैर जमाने के लिए घबराना नहीं चाहिए। उन्हें आत्मविश्वास के साथ घर से बाहर यह सोचकर निकलना है कि वह अपने अस्तित्व को एक नई पहचान देने जा रहे हैं। घर से बाहर निकलने पर चुनौतियों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य की ओर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्रश्न 6. (क) समय **(ख)** प्राय: **(ग)** बूँद की भाँति

प्रश्न 7. (ग) निश्चयवाचक **(घ)** अनिश्चयवाचक **(ङ)** अनिश्चयवाचक
(च) निश्चयवाचक **(ज)** अनिश्चयवाचक

प्रश्न 8., 9. एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करे।

पाठ 5. हमारा स्वास्थ्य

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** विरासत के रूप में **(ख)** घोर दरिद्रता **(ग)** शिक्षा **(घ)** विशेषण

प्रश्न 3. आलू, चावल, अंडे, दाल, तेल, मक्खन, सब्ज़ियाँ

प्रश्न 4. **(क)** हाँ, पूर्ण स्वस्थ शरीर दिखने में कृश हो सकता है।

(ख) शुद्ध रक्त में सभी संक्रामक रोगों से लड़ने की क्षमता होती है।

(ग) भ्रामक, आक्रामक, हिंसक, भयानक

प्रश्न 5. **(क)** बापू द्वारा बताए गए स्वास्थ्य-रक्षा के बुनियादी नियम हैं-विचारों को शुद्ध रखिए। निरर्थक और अशुद्ध विचारों को मन से निकाल दीजिए। दिन-रात शुद्ध वायु में श्वास लीजिए। शारीरिक और मानसिक श्रम के बीच संतुलन स्थापित कीजिए। सीधे खड़े होइए, सीधे बैठिए और अपने काम में स्वच्छता बरतिए।

(ख) हमारा मन स्वस्थ होगा तो हम सभी प्रकार की हिंसा का त्याग कर देंगे और स्वास्थ्य के नियमों का पालन करते हुए अपने शरीर को भी स्वस्थ रख सकेंगे।

(ग) गांधी जी का भोजन की मात्रा के विषय में कहा है कि भोजन बस इतना हो कि वह आपके मन और शरीर को ठीक रख सके। आदमी जैसा खाता है वैसा ही बन जाता है।

(घ) गांधी जी के अनुसार उनकी आत्मा इस बात की साक्षी है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा का निवास होता है।

प्रश्न 6. **(क)** अस्पष्ट **(ख)** निराश **(ग)** विकसित **(घ)** पूर्वनिश्चित

प्रश्न 7. **(क)** कठिनाई **(ख)** आत्मिक **(ग)** दरिद्रता **(घ)** असफलता

(ङ) शारीरिक **(च)** आपराधिक **(छ)** महँगाई **(ज)** दुर्बलता

(झ) स्थापित **(ञ)** ऊँचाई

प्रश्न 8. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. बाढ़ का बेटा

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) दो बीघा **(ख)** अनाज **(ग)** नयी उर्वर **(घ)** छाती भर

प्रश्न 3. (क) तत्परता **(ख)** तन्मयता **(ग)** तिरस्कृत **(घ)** तरलता

प्रश्न 4. (क) बाढ़ के विषय में

(ख) बिसेसर ढोरों, चारे, ईंधन, नाव, जाल, कुदाल, पतवार सब को सँभाल रहा था।

(ग) सुकिया परेशान थी।

(घ) क्योंकि पानी चूल्हे तक चढ़ आया था।

(ङ) नीर, जल

प्रश्न 5. (क) बिसेसर बाढ़ से इसलिए घबराता नहीं था क्योंकि वह बचपन से ही बाढ़ देखता आया था और उससे खेलता आया था। बिसेसर के दादा ने उसे बाढ़ से घबराना नहीं बल्कि उसका सामना करना बचपन से ही सिखाया था।

(ख) प्रयाग सहनी (बिसेसर के दादा) ने बिसेसर से कहा। क्योंकि उनका मानना था, भगवान खुश होते हैं तो पानी देते हैं। बाढ़ नहीं आए तो मछलियाँ कहाँ से आएँगी।

(ग) बिसेसर अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक हालत को ठीक करने के लिए अपने खेत पर पहुँचा, मेड़ों को दुरुस्त किया, गड्ढों को भरा। वह दिनभर कुदाल चलाता और रात को नदी पर मछली पकड़ने चला जाता। सुकिया की हुँसली बेचकर उसने बीज खरीदे और फिर से खेत में धान रोपना शुरू किया।

(घ) बिसेसर एक मेहनती और खुद्दार इंसान था। रिलीफ़ लेना उसे भीख माँगने के बराबर लगता था।

(ङ) बाढ़ के जरिए अपनी जीविका चलाने वाले बिसेसर का बचपन बाढ़ के बीच में बीता। बाढ़ से ही उसे मछलियाँ मिलतीं और खेतों को उर्वरा मिट्टी। जिससे उसे भरपूर धान की फसल मिलती। इसलिए इस कहानी का शीर्षक 'बाढ़ का बेटा' रखा गया।

प्रश्न 6. (क) जाल **(ख)** चीज़ों **(ग)** बिसेसर, बाढ़ **(घ)** बीज

प्रश्न 7. (क) सहायता **(ख)** आदेश **(ग)** परेशानी **(घ)** अवसर

प्रश्न 8. एवं 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. जगमग-जगमग

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) पहाड़ खुद जगमगाते हैं।
(ख) नदियों के जल में दीप प्रवाहित करने की परंपरा है।
(ग) दीपक पूरी शक्ति के साथ जलते हुए प्रतीत होते हैं।

प्रश्न 3. (क) लगभग **(ख)** जग **(ग)** ठग **(घ)** पग

प्रश्न 4. (क) मशाल लकड़ी के डंडे में कपड़ा लपेटकर उसे तेल में भिगोकर जलाई जाती है। जबकि दीपक मिट्टी या पीतल का बना होता है। जो तेल में बाती भिगोकर जलाया जाता है।
(ख) बल्ब काँच का गोल लट्टू-सा बना होता है, जबकि ट्यूब लाइट लम्बी और सफेद काँच की बनी होती है। बल्ब होल्डर पर लगकर जलता है। ट्यूब लाइट चाक पर लगकर जलती है।
(ग) छज्जा मकान की दीवार से थोड़ा बाहर निकला हुआ होता है। बालकनी मकान की दीवार के अंदर ही होती है।

प्रश्न 5. (क) दीपक की रोशनी हर घर, बाहर-भीतर, नीचे-ऊपर हर जगह फैली है।
(ख) कवि उजाले के संबंध में कह रहे हैं कि हर कदम पर यह कैसी उजियाली है। हर जगह खुशी रूपी रोशनी दिखाई दे रही है। कवि स्नेह और खुशी का प्रतीक दीपक को मानते हुए चारों तरफ़ उजियाली देख रहे हैं।
(ग) दर-कीमत, द्वार, जग-संसार, एक पात्र

प्रश्न 6. (क) इस कविता में दीपावली के पर्व की सुंदरता का वर्णन किया गया है।
(ख) बाहर की रोशनी के साथ-साथ लोगों का जीवन भी प्रकाशमान हो गया है। उनके अंर्तमन में भी खुशियाँ ही खुशियाँ हैं।
(ग) जल में दीपकों की पंक्ति अत्यंत सुंदर लगती है। लहराती लहरों में इठलाते दीप ऐसे लगते हैं मानो ये दीप किसी गहन अंधकार को रोशनी में बदलने चले हो।
(घ) कवि का कहना है कि हर जगह जगमगहाट है। छत में, छज्जों में, आला में, तुलसी में ये कौन-सी रोशनी है जो हमारी आँखों को चकाचौंध कर रही है। हमें अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

प्रश्न 7. (क) गृह, सदन **(ख)** सरिता, दरिया **(ग)** पहाड़, गिरि **(घ)** नृप, शासक

प्रश्न 8. (क) एक पावन पर्व **(ख)** सुंदर-सुंदर दीप **(ग)** यह पर्व **(घ)** ऊँचे पर्वत
(ङ) तुलसी के नन्हे पौधे

प्रश्न 9, 10, 11, 12 एवं 13 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. तुम कब जाओगे अतिथि

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) लॉण्ड्री को कपड़े देने हैं। **(ख)** मार्मिक **(ग)** आघात **(घ)** अतिथि

प्रश्न 3. (क) क्योंकि दिल पुल्लिग है। **(ख)** अब कोई भी हँस नहीं पा रहा था।

प्रश्न 4. (क) कैलेंडर **(ख)** बटुआ **(ग)** खिचड़ी **(घ)** डिनर **(ङ)** रबड़

प्रश्न 5. (क) शब्दों का लेन-देन मिट गया था।

(ख) क्योंकि किस्से और चर्चा के सारे विषय खत्म हो गए थे।

(ग) फेवीकोल वस्तुओं को चिपकाने के लिए होता है। लेखक ने बिन बुलाए अतिथि को जो अब जाने का नाम नहीं ले रहा था, झुँझलाहट में फेवीकोल कहा।

(घ) मित्र, कथा

प्रश्न 6. (क) लेखक के मन में बार-बार यह प्रश्न उठ रहा था- तुम कब जाओगे अतिथि? तुम कब घर से निकलोगे मेरे मेहमान?

(ख) लेखक रोज अतिथि को दिखाकर कैलेंडर की तारीख बदलता रहा। उन्होंने मेहमानबाजी खत्म कर भोजन में खिचड़ी परोसकर जाने का संकेत दिया। उन्होंने उपवास भी रखा। पलंग की दो बार चादरें बदलकर भी उन्होंने अतिथि को संकेत दिया कि वे ज्यादा समय तक उनके घर रुक गए हैं।

(ग) महीने के तय बजट से ज्यादा खर्च होना अर्थात् बजट डगमगाना ही बटुआ काँपना है।

(घ) अतिथि का यह कहना कि 'कपड़े लॉण्ड्री में देने हैं' से यह स्पष्ट हो रहा था कि जब तक कपड़े लॉण्ड्री से धुलकर नहीं आएँगे अतिथि यहीं रहेंगे। यह चोट मार्मिक थी। यह आघात अप्रत्याशित था।

(ङ) लेखक के अनुसार लोगों का बस चलता तो वे किसी और के घर ही रहा करते।

(च) लेखक के अनुसार देवता का काम है कि वह दर्शन दे और लौट जाए।

प्रश्न 7. (क) कुछ – चंद्रमा (एक उपग्रह)

(ख) आने का भाव – आने-जाने का भाव

(ग) धोने की क्रिया – किसी द्रव में समा जाने की क्रिया

प्रश्न 8. (क) अतिथि **(ख)** अप्रत्याशित **(ग)** मेहमानवाज़ी

प्रश्न 9. (क) पूर्व = पहले, एक दिशा **(ख)** उत्तर = जवाब, एक दिशा

(ग) गला = गर्दन का अगला भाग, पिघला हुआ **(घ)** बस = एक वाहन, केवल

प्रश्न 10.(क) वह **(ख)** यह **(ग)** वह **(घ)** इस **(ङ)** अपने

प्रश्न 11, 12 एवं 13. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. राखी का मूल्य

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) राखी की **(ख)** हुमायूँ को **(ग)** बहादुरशाह से

प्रश्न 3. (क) बाबर **(ख)** शेरशाह **(ग)** गंगा नदी

प्रश्न 4. (क) हुमायूँ यह सुनना नहीं चाहता था कि मुसलमान एक बहन की इज़्ज़त करना नहीं जानते।

(ख) राखी की ताकत की।

(ग) फ़ौज तैयार करने का आदेश दिया।

(घ) इज़्ज़तदार, ताकतवर

प्रश्न 5. (क) बाघसिंह ने कहा कि राजपूत वीरता से लड़ रहे हैं। किंतु वे मेवाड़ की रक्षा मरकर भी नहीं कर सकते क्योंकि एक तो हमारी संख्या कम है दूसरा शत्रुओं का तोप खाना आग उगल रहा है। उसका मुकाबला तलवारों से तो हो ही नहीं सकता।

(ख) रानी कर्मवती को इस बात का दुख था कि उनके स्वामी इस वक्त मेवाड़ में नहीं हैं। उनके रहते मेवाड़ की ओर आँख उठाने का साहस किसमें था?

(ग) जवाहरबाई ने कहा, अच्छी बात है इस बहाने मनुष्यता की परख हो जाएगी और यह भी प्रकट हो जाएगा कि इस राखी में कितनी ताकत है।

(घ) रानी कर्मवती ने बाघसिंह को राखी और पत्र हुमायूँ को भेजने का आदेश दिया।

(ङ) हुमायूँ ने दूत से कहा, वह कर्मवती के सगे भाई से बढ़कर है। मेवाड़ की इज़्ज़त अब उसकी इज़्ज़त है।

(च) इस पाठ से हमें यह संदेश मिलता है कि बहन-भाई का रिश्ता किसी धर्म-संप्रदाय या खून के रिश्ते तक सीमित नहीं होता। बहन-भाई न हिंदू होते हैं न मुसलमान। यह रिश्ता केवल प्रेम के धागे से बँधा होता है।

प्रश्न 6. (क) सकर्मक **(ख)** सकर्मक **(ग)** अकर्मक **(घ)** अकर्मक **(ङ)** सकर्मक

प्रश्न 7, 8 एवं 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 12. शहीद बकरी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) भेड़िये की बकवास सुनने का। **(ख)** वह असावधान था।
(ग) रास्ते के भारी पत्थर ने **(घ)** नीचे खाई में।

प्रश्न 3. भेड़िया ⟶ बकरी ⟶ घास; शेर ⟶ हिरण ⟶ घास;
बिल्ली ⟶ चूहा ⟶ अनाज़; चील ⟶ साँप ⟶ चूहा

प्रश्न 4. (क) भेड़िये को बकरी ने घायल कर दिया था।
(ख) क्योंकि उसके सीने और मस्तक पर घाव थे।
(ग) वे (बकरियाँ) कैदी जीवन व्यतीत करने के बजाए पहाड़ पर नि:शंक और स्वच्छंद विचरती होतीं।
(घ) अत्याचारी, पीड़ित

प्रश्न 5. (क) युवा बकरी के मन में विचार उठे कि अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतरकर किसी भी दिन बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छिपा लेता है तब क्या शिकारी उसको बख्श देता है?
(ख) युवा बकरी को उसके साथियों ने समझाने का प्रयत्न किया कि वह ऐसे मूखर्तापूर्ण विचारों को मन में न लाए। भेड़िये के मुँह में खून लग चुका है वह अपनी आदत से कभी बाज नहीं आएगा।
(ग) विद्यार्थियों के लिए
(घ) मरने से पहले युवा बकरी के मन में अपने साथियों की अकर्मण्यता (आलस्य) पर तरस आ रहा था। अगर उन्होंने भेड़िये पर एक साथ वार किया होता तो बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत नहीं करतीं।

प्रश्न 6. (क) पुल्लिग **(ख)** पुल्लिग **(ग)** स्त्रीलिंग **(घ)** पुल्लिग **(ङ)** पुल्लिग
(च) स्त्रीलिंग **(छ)** पुल्लिग **(ज)** स्त्रीलिंग

प्रश्न 7. (क) मर जाना **(ख)** चुपके से आना **(ग)** हारना **(घ)** दया आना

प्रश्न 8. (क) एक युवा नई **(ख)** बीच के भारी **(ग)** ऐसे मूर्खतापूर्ण **(घ)** उस अत्याचारी

प्रश्न 9. (क) भूतकाल **(ख)** वर्तमान काल **(ग)** भविष्यत् काल
(घ) संदिग्ध वर्तमान काल **(ङ)** भूतकाल **(च)** भूतकाल

प्रश्न 10, 11 एवं 12. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. माँ के नाम पत्र

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) सभी भारतवासियों से।

(ख) अपने कर्तव्य (देश के प्रति) के प्रति सचेत होना।

(ग) बुरी हालत

प्रश्न 3. (क) चंद्रशेखर आज़ाद, सरदार भगतसिंह **(ख)** सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग

(ग) झारखंड

प्रश्न 4. (क) हम सब नौकरों से काम करवाना चाहते हैं।

(ख) हम गरमी सहन इसलिए नहीं कर सकते क्योंकि हम बाबू हैं।

(ग) हमारा ध्यान 'मानवता' की ओर जाना चाहिए।

(घ) मूल शब्द – मानव, प्रत्यय – ता

प्रश्न 5. (क) सुभाषचंद्र बोस ने महसूस किया कि नई पीढ़ी बाबू लोगों की है। जो आरामपरस्त है कर्मशील नहीं। श्रम करना नहीं चाहते, सारा काम नौकरों से करवाना चाहते हैं। ज्ञान-विवेक होते हुए भी उसका प्रयोग न करना। अब ऐसे ऐशोआराम और स्वार्थपूर्ण जिंदगी जीने वालों के मन में देश के प्रति प्रेम और कर्तव्य की भावना कैसे आ सकती है। शायद इसीलिए उन्हें 'भारत माता 'अभागी' लगी।

(ख) यदि हम जीवन में कोई श्रेष्ठ काम नहीं कर सकते तो ऐसी स्थिति में जीवन व्यर्थ है।

(ग) अपना स्वार्थ त्याग कर भारतमाता की सेवा में जुट जाने के समय की बात की है।

(घ) सुभाष ने ऐसा इसलिए कहा कि आज केवल वे ही भारत की दुर्दशा होते हुए देख रहे हैं यदि समय रहते इस ओर कर्मशील नहीं हुए तो वह समय दूर नहीं जब पूरी दुनिया भी भारत का यह हाल देखेगी।

प्रश्न 6. (क) बराबर–रीतिवाचक क्रियाविशेषण **(ख)** शीघ्र–रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(ग) जिधर–स्थानवाचक क्रियाविशेषण **(घ)** धीरे-धीरे–रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(ङ) बार-बार–रीतिवाचक क्रियाविशेषण

प्रश्न 7. ओत-प्रोत, मानव-देह, दस-बीस

प्रश्न 8 एवं 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. मैया मोरी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) बालक कृष्ण की। (ख) घर के अंदर छत से। (ग) ईर्ष्या का भाव

प्रश्न 3. (क) मक्खन **(ख)** चरवाहा **(ग)** सुराही

प्रश्न 4. (क) कृष्ण यशोदा को भोली माता बता रहे हैं।

(ख) नाच-नचाने का अर्थ है-परेशान करना।

(ग) भोली, लाठी

प्रश्न 5. (क) माँ यशोदा बालक श्री कृष्ण बहुत प्यार करती थीं। यह भाव अंतिम पंक्ति 'सूरदास तब विंहसि जसोदा लै उर कंठ लगायो' से प्रकट होता है।

(ख) बालक श्री कृष्ण अपने से लंबे कद वाले ग्वाले मित्रों की मदद से छींके तक पहुँच जाते होंगे और छोटी बाँहें तथा छोटा कद होते हुए भी माखन चुराने में सफल हो जाते होंगे।

(ग) यशोदा का हँसना यह दर्शाता है कि वे अपने कृष्ण को बहुत भोला और नादान समझती हैं जो किसी की भी बातों में आ जाता है।

प्रश्न 6. (क) गाय **(ख)** भटकता रहता हूँ **(ग)** बाँहें **(घ)** कुछ

प्रश्न 7. (क) जननी, माता **(ख)** बच्चे, लड़के **(ग)** शाम, संध्या **(घ)** शत्रु, रिपु

प्रश्न 8 एवं 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. अनारको का सातवाँ दिन

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) ''फिर पुल का उद्घाटन करने प्रधान क्यों आ रहे हैं'' ये शब्द अनारको ने अपने पिता से कहें। इसलिए कहे क्योंकि उसके बालमन में जिज्ञासा थी कि पुल लोगों द्वारा बनाया गया। पैसे भी उन्होंने दिए और पत्थर पहाड़ से आए। इसमें प्रधानमंत्री की क्या भूमिका है, जो वह उद्घाटन करने आ रहे हैं।

(ख) "पेड़ वाले आम और बोर्ड वाले आम में अंतर होता है।" ये शब्द फूलपत्ती ने आनरको से कहे। क्योंकि अनारको को मास्साब बोर्ड पर जैसा आम बनाते थे, वैसा आम उसे कहीं भी देखने को आज तक कहीं नहीं मिला।

(ग) "अच्छा बताओ आज कौन आ रहे हैं, अपने यहाँ" ये शब्द सामाजिक ज्ञान से मास्साब ने बच्चों से कहें। इसलिए कहे क्योंकि वे बच्चों की जानकारी के बारे में जानना चाहते थे।

प्रश्न 3. (क) सड़क के किनारे लाल मिट्टी बिछाई गई थी।

(ख) चूने की लकीरों का रंग सफ़ेद था।

(ग) अनारको को आभास हो चुका था कि प्रधानमंत्री कोई बड़ी ताकत वाला आदमी है।

(घ) गोलू होता तो कहता,– "तोप है"!

प्रश्न 4. (क) नरेंद्र मोदी **(ख)** स्वयं करें **(ग)** स्वयं करें

प्रश्न 5. (क) घर से निकलकर अनारको ने सोचा, आज दूसरे रास्ते से स्कूल चलते हैं।

(ख) वह स्कूल की ओर चल दी।

(ग) उसने देखा कि कुछ लोग दीवार को खुरच-खुरचकर साफ़ कर रहे थे और उसपर जहाँ 'ज़िंदाबाद', 'मुर्दाबाद' लिखा था उसे मिटा रहे थे।

(घ) उसने-कर्ता; उसपर – अधिकरण

प्रश्न 6. (क) अनारको के पिता ने कहा नदी पर पुल का उद्घाटन करने प्रधानमंत्री आ रहे हैं। सामाजिक ज्ञान के मास्साब ने कहा हमारे यहाँ (स्कूल) में आ रहे हैं। जिधर देखा सब प्रधानमंत्री के आने की बात कर रहे हैं।

(ख) अनारको ने पापा से प्रश्न पूछा कि पुल क्या प्रधानमंत्री ने बनाया है। पुल बनाने के लिए पत्थर कहाँ से आते हैं? पैसा क्या प्रधानमंत्री देते हैं?

(ग) पेड़ के आम और बोर्ड पर बने आम वास्तविकता और बनावटीपन को दर्शाता है। ऐसा होने से अनारको को आम बनाने में असुविधा हो रही थी।

(घ) दीवार को साफ़ करने के लिए मिटा रहे थे।

(ङ) अनारको और उसके साथी कभी-कभी दीवार पर चित्र बना लिया करते थे। उन्होंने पत्तियों को रगड़-रगड़कर पहाड़ बनाए थे। पहाड़ के पीछे ईंट के टुकड़े से घिस-घिसकर सूरज बनाया था। पहाड़ से गिरता हुआ झरना और पहाड़ के ऊपर ढेर सारी चिड़िया बनाई थीं। बच्चों के ऐसा करने की आदत उनके अंदर छिपे चित्रकार के गुण तथा उनकी रचनात्मकता को दर्शाती है।

प्रश्न 7. (क) बना पा रही थी **(ख)** आने वाले हैं **(ग)** आते हैं

(घ) घुस गई **(ङ)** बदले हुए थे

प्रश्न 8. (क) असफल, अमर, अचल **(ख)** बेइज़्ज़त, बेपनाह, बेनकाब

(ग) अनजान, अनमना, अनभिज्ञ **(घ)** विशेष, विकार, विनाश

(ङ) नासमझ, नापाक, नादान **(च)** सुयश, सुगंध, सुकुमार

प्रश्न 9, 10, 11 एवं 12. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 16. सुभान खाँ

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** सुभान दादा ने बच्चे (लेखक) से कहे। ये शब्द उन्होंने इसीलिए कहे क्योंकि काम और अल्लाह–ये दो चीजें ही संसार में उनको सबसे प्यारी थीं।

(ख) सुभान दादा ने बच्चे से कहे। ये इसलिए कहे क्योंकि बच्चे ने उनसे पूछा क्या आपके अल्लाह बहुत गुस्सेवर हैं?

(ग) बच्चे (लेखक) ने सुभान दादा से कहे और इसलिए कहे क्योंकि सुभान दादा ने कहा, मैं ज़रा काम पूरा कर लूँ। मज़दूरी भर पूरा काम नहीं करने से अल्लाह नाराज़ हो जाएँगे।

प्रश्न 3. **(क)** हुसैन साहब **(ख)** गंडे **(ग)** ताज़िया

प्रश्न 4. सीमेंट, लोहा, ईंट, रेत, लकड़ी, शीशा, रोड़ी, संगमरमर

प्रश्न 5. **(क)** सुभान दादा ने मस्जिद तैयार होने पर आस–पास के गाँवों के प्रतिष्ठित लोगों को न्योता दिया।

(ख) सुभान दादा ने हिंदू भाइयों के लिए हिंदू हलवाई रखकर मिठाइयाँ बनवाई थीं।

(ग) लोग मस्जिद के उद्घाटन के दिन की दादा की मेहमानबाज़ी अब तक नहीं भूल पाए थे।

(घ) प्रतिष्ठा

प्रश्न 6. **(क)** लेखक ने सुभान खाँ से पूछा, क्या आपका अल्लाह पश्चिम में रहता है? वह पूरब में क्यों नहीं रहता?

(ख) सुभान खाँ ने यह तर्क दिया कि पश्चिम की ओर के मुल्क में अल्लाह के रसूल आए थे। जहाँ रसूल आए थे वहाँ हमारे तीरथ हैं। हम उन्हीं तीरथों की ओर मुँह करके अल्लाह को याद करते हैं।

(ग) काम और अल्लाह– ये दो चीज़ें ही सुभान खाँ को प्यारी थीं।

(घ) सुभान दादा के घर पहुँचने के बाद लेखक ने देखा उनके घर में पोते–पोतियों, नाती–नातिनों की भरमार थी। सभी बच्चे रंगीन कपड़ों से सज़े–धजे थे। सुभान दादा की बूढ़ी बीवी ने लेखक के गले में एक बद्धी डाल दी। कमर में घंटी बाँध दी, हाथ में दो लाल छड़ियाँ दे दी और बच्चों के साथ उन्हें भी लिए करबला चल दी। वहाँ पर लेखक ने बच्चों के साथ उछला–कूदी की, मिठाइयाँ खाईं और शाम को फिर सुभान दादा के कंधे पर घर पहुँचा दिया।

(ङ) हज़ से लौटने के बाद सुभान दादा का ज्यादा समय नमाजबंदगी में ही बीतता था। दिन भर उनकी जबान अल्लाह की रट लगाए रहती। उनकी बुजुर्गी की धाक जम चुकी थी। बड़े–बड़े झगड़ों की पंचायतों में दूर–दूर के हिंदू–मुसलमान उन्हें पंच बनाते थे।

(च) मस्जिद के लिए सारी लकड़ी लेखक के मामा के बगीचे से मुफ़्त गई थीं।

प्रश्न 7. **(क)** शारीरिक, मानसिक, भौतिक, सामाजिक **(ख)** देशीय, राष्ट्रीय मानवीय,

(ग) पठित, लिखित, प्रताड़ित, पीड़ित

प्रश्न 8. **(क)** अस्त–व्यस्त **(ख)** पश्चाताप **(ग)** अशक्त **(घ)** सामंजस्य

प्रश्न 9. (क) राज = शासन; राज़ = रहस्य **(ख)** बसूली = एक औज़ार;
वसूली = वसूल करने का भाव

प्रश्न 10.(क) एक रंग, बेटा **(ख)** हृदय, वज़न मापने की इकाई **(ग)** बच्चा, केश
(घ) लता, एक फल

प्रश्न 11, 12 एवं 13 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 18. मत बाँटो इनसान को

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) खुशहाली देने वाले साधन अब भी बने हुए हैं।
(ख) ऊपर खुला आसमान है।
(ग) आपस में प्यार नहीं रहता।

प्रश्न 3. (क) पुजारी – मंदिर – रामायण **(ख)** ग्रंथी – गुरुद्वारा – गुरु ग्रंथसाहब
(ग) मुल्ला – मस्जिद – कुरान शरीफ़ **(घ)** पादरी – गिरजाघर – बाईबिल

प्रश्न 4. (क) स्वतंत्रता के बाद हमारा समाज धर्म-जाति, अमीरी-गरीबी जैसी कुरीतियों में बँट गया है। जब तक ये सब बुराइयाँ हमारे समाज से नहीं मिटतीं और हर इंसान सुखी नहीं होता जब तक 'मंजिल दूरी बैठी' है।
(ख) समाज में समानता का भाव न होने के कारण खुशी सिर्फ़ महलों या उच्च वर्गों तक ही सीमित हो गई है।
(ग) जाति-प्रथा, अमीरी-गरीबी, और असमानताओं के भाव जैसी बुराइयों की वजह से खुशियाँ रूपी दीपक मजबूर है कि उसका उजियाला अर्थात खुशियाँ घर-घर नहीं पहुँच पा रही हैं।
(घ) राह = रास्ता, पथ; दीपक = दीप, दीया

प्रश्न 5. (क) कवि चाहते हैं समाज में समानता, भाईचारा और प्यार हो। सबको मेहनत का समान फल मिले। हर आँगन में खुशियाँ ही खुशियाँ हों।
(ख) जब संसार में प्यार न होकर नफरत हो। धर्म-जाति, अमीरी-गरीबी के नाम पर इंसानों का शोषण हो, असमानता और अंधविश्वास जैसी कुरीतियाँ समाज की जड़ों को खोखला करती हों तो संसार जलते रेगिस्तान के समान बन जाता है।
(ग) हमारे समाज के पिछड़े और शोषित वर्ग को प्यासी चट्टान कहा गया। उन्हें प्यार, समानता और खुशियों का जल चाहिए।
(घ) कवि ने इंसान को बाँटने के लिए इसीलिए मना किया है क्योंकि इंसान के बँट जाने पर हर दिल में प्रेम की बजाय नफरत विद्‌यमान होगी। इंसान ही इंसान से भेदभाव करेगा और शोषण करेगा।

प्रश्न 6. (क) अँधियारा **(ख)** तृप्ति **(ग)** प्रसन्न **(घ)** शैतान

प्रश्न 7. (क) स्त्रीलिंग **(ख)** पुल्लिग **(ग)** पुल्लिग **(घ)** स्त्रीलिंग **(ङ)** स्त्रीलिंग
(च) पुल्लिग (वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।)

प्रश्न 8. (क) मंदिर, मस्जिद और गिरजाघर पवित्र स्थल हैं।
(ख) क्या हम एक साथ आवाज़ उठा नहीं सकते?
(ग) कवि ने कहा, "इनसान को मत बाँटो।"
(घ) अहा! मंज़िल पास आ गई।

प्रश्न 9. (क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध **(ग)** क्रिया पदबंध
(घ) संज्ञा पदबंध **(ङ)** विशेषण पदबंध **(च)** संज्ञा पदबंध

प्रश्न 10, 11, 12 एवं 13 विद्‌यार्थी स्वयं करें।

पाठ 19. लालू

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) अकसर **(ख)** सिंदूर **(ग)** काँप रहा था **(घ)** मनोहर बापू **(ङ)** मनोहर बाबू ने

प्रश्न 3. (क) असाधारण **(ख)** असीम **(ग)** डर को **(घ)** डराने का

प्रश्न 4. (क) शिष्ट **(ख)** अस्पष्ट **(ग)** रुष्ट **(घ)** दुष्ट **(ङ)** आकृष्ट

प्रश्न 5. (क) योद्धा **(ख)** धनुष **(ग)** साँप **(घ)** घुँघरू

प्रश्न 6. (क) क्योंकि लालू ने मनोहर बाबू की बलि चढ़ाने के लिए कहा।

(ख) मनोहर बाबू ने अपनी जान बचाने के लिए ऐसा कहा।

(ग) लालू ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बकरे की बलि देना सब काली माँ का आदेश मानते थे तो जब मनोहर की बलि चढ़ाना भी माँ का आदेश माना गया तो मनोहर बाबू बौखला गए।

(घ) चट्टोपाध्याय ने बलि का बकरा न कटवाने की तीन बार कसम खाई।

(ङ) जगत = संसार, दुनिया; माँ = जननी, माता

प्रश्न 7. (क) लालू सभी तरह के कामों में रुचि लेता था। जैसे-स्कूल के टूटे छाते ठीक करना, स्लेट की मढ़ाई, फटे कुरते को सिलना आदि।

(ख) लालू के पिता ने कहा, "दूसरा कोई नहीं मिला, तभी तो ये लोग आए हैं। तुम्हारे ने जाने से अनिष्ट होगा। महाकाली के क्रोध से कोई भी न बचेगा उठो और अभी जाओ।"

(ग) इस पाठ में लेखक ने बलि-प्रथा को निरर्थक बताया है और यह बताने की कोशिश है कि बलि देने से माँ या कोई भी भगवान खुश नहीं होते। जीव हत्या से कोई भी पूजा सफल नहीं होती।

(घ) लालू सब तरह के कामों में निपुण असाधारण ताकतवर इंसान था। उसमें असीम साहस था। अखाड़े में उसका मुकाबला कोई नहीं कर पाता था। 'डर' क्या होता है उसे मालूम नहीं था लेकिन दूसरों को डराने का अवसर हाथ से न जाने देता था। लालू ने बचपन में कई बलि दीं लेकिन बड़ा होकर बलि प्रथा के विरूद्ध था। उसने अपनी तरीके इसका विरोध भी किया।

प्रश्न 8. (क) असाधारण – गुणवाचक विशेषण

(ख) कितने – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ग) वह – संकेतवाचक विशेषण

(घ) तेज़ – गुणवाचक विशेषण

(ङ) कुछ – परिमाणवाचक विशेषण

प्रश्न 9. (क) अ + सीम **(ख)** अ + पूर्व **(ग)** वि + शिष्ट **(घ)** आ + घात

प्रश्न 10.(क) प्रेरणार्थक क्रिया **(ख)** पूर्वकालिक क्रिया **(ग)** प्रेरणार्थक क्रिया **(घ)** पूर्वकालिक क्रिया **(ङ)** पूर्वकालिक क्रिया **(च)** प्रेरणार्थक क्रिया

प्रश्न 11, 12 एवं 13 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 20. जवाहर भाई

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) ये वाक्य नेहरू जी ने महादेवी वर्मा से कहे और तब कहे जब उन्हें याद आया कि महादेवी वर्मा भी दद्दा मैथिलीशरण गुप्त की तरह शाकाहारी हैं।

(ख) ये वाक्य महादेवी वर्मा ने प्रधानमंत्री (नेहरू जी) के निजी सचिव से कहे। इसलिए कहा जब प्रधानमंत्री के सचिव ने कहा कि उनसे बिना पूर्व निश्चित समय के भेंट होना संभव नहीं।

(ग) ये वाक्य दद्दा मैथिलीशरण गुप्त ने प्रधानमंत्री नेहरू जी से कहे। तब कहा जब नेहरू जी ने दद्दा मैथिलीशरण और महादेवी वर्मा को भोजन करने का निमंत्रण दे डाला।

प्रश्न 3. (क) नेहरू जी के लिए **(ख)** वे दूसरों को अपना मानते थे।

(ग) उन्हें शाकाहार की जगह मांसाहार खिलाना। **(घ)** विनोदी।

प्रश्न 4. (क) तीनमूर्ति भवन **(ख)** मोतीलाल नेहरू **(ग)** कमला नेहरू

(घ) राजीव गांधी, संजय गांधी **(ङ)** लाल बहादुर शास्त्री

प्रश्न 5. (क) सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों में ज्ञान कम होता है और भावुकता अधिक।

(ख) किसी छोटी लड़की को रुला दिया है यह विचार ही उनके पश्चाताप के लिए काफी था।

(ग) नेहरू जी ने बालिका को किताबें सावधानी से रखने के लिए समझाया।

(घ) लेखिका को नेहरू जी ने ताँगे तक पहुँचाया।

(ङ) छोटी

प्रश्न 6. (क) वरिष्ठ अध्यापिका महादेवी वर्मा को तभी साथ ले जाने को तैयार हुईं जब उन्हें पिता की अनुमति मिल गई।

(ख) प्रश्न को विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) 'क्या वाहियात बात है' नेहरू जी ने तब कहा जब लेखिका अपना बस्ता छोड़ आई थी और फिर तब कहा जब लेखिका की मोटर दुर्घटना में पैर की हड्डी टूट गई। लेखिका के कई महीनों अस्त-व्यस्त रहने पर भी उनकी यही टिप्पणी थी।

(घ) नेहरू जी के निजी सचिव ने लेखिका से कहा, बिना पूर्व निश्चित समय के भेंट होना संभव नहीं है। यहाँ तो लोग दस-दस दिन तक प्रतीक्षा कर रहे हैं।

(ङ) नेहरू जी कार्य की व्यस्तता रहने पर भी दूसरों के विश्वास और सुविधा की चिंता करना नहीं भूलते थे। यही उनके स्वभाव की प्रवीणता थी।

(च) क्योंकि नेहरू जी ने विनोद के बीच भी दद्दा मैथिलीशरण और महादेवी वर्मा के लिए इंदिरा जी को बुलाकर अलग से शुद्ध-शाकाहारी भोजन बनवाने की व्यवस्था करने का निर्देश देना नहीं भूले।

प्रश्न 7. (क) व्यस्त **(ख)** असुविधा **(ग)** ता

प्रश्न 8. (क) अपर्याप्त **(ख)** अशक्त **(ग)** कनिष्ठ **(घ)** परोक्ष

प्रश्न 9. (क) विधानवाचक वाक्य **(ख)** प्रश्नवाचक वाक्य **(ग)** विधानवाचक वाक्य

(घ) विस्मयवाचक वाक्य **(ङ)** प्रश्नवाचक वाक्य **(च)** विधानवाचक वाक्य

प्रश्न 10.(क) आकर्षण + इत **(ख)** स्वीकार + इत **(ग)** आत्मा + ईय + ता
(घ) विशेष + ता **(ङ)** मानव + ईय **(च)** निर्देशन + इत

प्रश्न 11, 12 एवं 13. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 21. काकी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) यह वाक्य श्यामू ने भोला से कहा। **(ख)** विश्वेश्वर ने श्यामू से कहा।
(ग) भोला ने श्यामू से कहा। **(घ)** विश्वेश्वर ने श्यामू से कहा।

प्रश्न 3. (क) भोला को **(ख)** डोर बहुत पतली थी। **(ग)** डोर के टूट जाने का
(घ) मोटी (ङ) विशेषण

प्रश्न 4. (क) (✓) **(ख)** (✗) **(ग)** (✗) **(घ)** (✗)

प्रश्न 5. (क) हवाई जहाज़, हेलीकॉप्टर **(ख)** चील, कबूतर
(ग) कागज़, डोर, सींक, गोंद

प्रश्न 6. (क) लोगों ने श्यामू को विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गई है।
(ख) श्यामू ने यह बात छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं नहीं राम के यहाँ गई है।
(ग) श्यामू प्राय: अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता।
(घ) श्यामू का रुदन कई दिन लगातार रोते-रोते, धीरे-धीरे शांत हो गया।
(ङ) लगातार, ऊपर, धीरे-धीरे

प्रश्न 7. (क) श्यामू कई दिन लगातार रोते-रोते इतना थक चुका था कि उसका रुदन तो शांत हो गया अर्थात् रोना तो रुक गया लेकिन माँ से दूर होने का दुख उसके अंतर्मन में समाप्त नहीं हुआ था। वह प्राय: अकेला बैठा शून्य मन से आकाश की तरफ़ ताका करता।
(ख) श्यामू और भोला दोनों अंधेरी कोठरी में बैठे हुए पतंग में रस्सी बाँध रहे थे। लेकिन अचानक विश्वेश्वर अत्यधिक क्रोध में वहाँ आ गए और काम खराब कर दिया। या यूँ कहें कि शुभ कार्य में विघ्न डाल दिया।
(ग) काकी पतली रस्सी पकड़कर राम जी घर से नीचे नहीं आ सकती थी। रस्सी टूट जाने का डर था। पतंग में मोटी रस्सी हो सब ठीक हो जाए। श्यामू को यह बात लाख टके की सुझाई गई। यानी सुझाव बहुत महत्वपूर्ण लगा। लेकिन मोटी रस्सी मँगाई कैसे जाए। उसके पास पैसे नहीं थे।

प्रश्न 8. (क) श्यामू ने नींद खुलने पर देखा कि घर में कोहराम मचा हुआ है।
(ख) जब श्यामू की माँ को शमशान ले जाने लगे।
(ग) पंतग उड़ती देखकर श्यामू के मन में विचार आया कि मैं पतंग राम जी के घर भेजूँगा। जिसे पकड़कर काकी नीचे उतर आएँगी।
(घ) श्यामू ने एक पतंग और डोर मँगवाई।
(ङ) पतंग पर 'काकी' शब्द जवाहिर भैया से लिखवाने की सोची गई ताकि पतंग ठीक काकी के पास ही पहुँचे।
(च) विश्वेश्वर ने श्यामू को तमाचे जड़े और कहा, "चोरी सीखकर जेल जाएगा?"
(छ) श्यामू कम उम्र का मासूम बच्चा है। अचानक उसकी माँ का देहांत हो गया। वह इतना भोला था कि उसने सहज ही स्वीकार कर लिया कि उसकी माँ राम जी के यहाँ गई हैं।

माँ के शोक में डूबे श्यामू ने जब आकाश में पतंग उड़ते देखी तो उसका हृदय खिल उठा और माँ को पंतग पर बैठाकर धरती पर लाने की कल्पना करने लगा। इस तरह उसकी कल्पना शक्ति का परिचय मिलता है।

श्यामू की मासूमियत की पराकाष्ठा तब दिखाई देती है जब पिता के पैसे ने देने पर वह उनके जेब से पैसे निकाल लेता है। उसको इस बात का भी अहसास नहीं था कि माँ को लाने के लिए वह जो कर रहा है चोरी है, गलत है।

प्रश्न 9. (क) मुख्य क्रिया – जा (जाना) सहायक – सका
(ख) लिटाया, गया **(ग)** सँभालना, रही **(घ)** चले, गए **(ङ)** बन, पाई
(च) खरीदकर, ले आया **(छ)** जाना, है

प्रश्न 10.(क) रुलाई **(ख)** हँसी **(ग)** अकेलापन **(घ)** कठिनाई **(ङ)** उपद्रव
(च) चिंता **(छ)** समझ **(ज)** अधिकता **(झ)** चोरी **(ञ)** शांति

प्रश्न 11.(क) सज़ा देना **(ख)** ध्यान न देना **(ग)** ध्यान से सुनना
(घ) शिकायत करना **(ङ)** डराना **(च)** बहुत प्यारा **(छ)** स्वागत करना
(ज) नजरअंदाज़ करना **(झ)** खुशामद करना
(ञ) परेशान करना (वाक्य विद्यार्थी स्वयं बनाएँगे।)

प्रश्न 12, 13, 14. विद्यार्थी स्वयं करें।